पाठ 24 सड़क चिह्न एवं सड़क संकेत

सड़क चिह्न (ROAD SIGNS) – सड़क पर अंकित सभी लाईने एवं नमूने व रंग जिनका प्रयोग सड़क पर या सड़क के किनारों पर किया जाता है वे सड़क चिह्न कहलाते हैं। ये यातायात को नियंत्रित व नियोजित करने तथा सड़क उपयोगकर्ता को सतर्क व सावधान करने के उद्देश्य से बनाए जाते हैं। ये चिह्न सड़क की भाषा को प्रदर्शित करते हैं। जैसेः

मध्य रेखा (CENTER LINE) – अविभाजित सड़क पर मध्य रेखा आने–जाने वाली यातायात को अलग करती है एवं आवागमन को आसान बनाती है। यदि रेखा लगातार है तो ओव्हर टेक करने से बचना चाहिए। मध्य रेखा खण्डित हो तथा सामने से किसी प्रकार की गाड़ी नहीं आ रही हो, तो ध्यानपूर्वक ओव्हरटेक करना चाहिए।

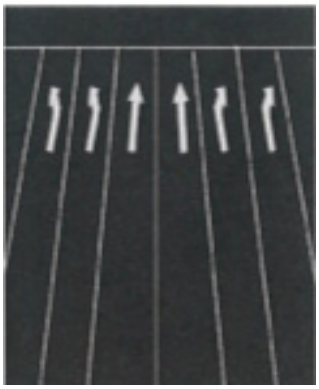

छोटी खण्डित सफेद रेखाएँ (LANE MARKING LINE) – सड़क को लेन में विभाजित करने के लिए इनका प्रयोग किया जाता है। वाहनों को इन लेन में ही चलना चाहिए। बाँयी ओर की अंतिम लेन भारी वाहन एवं धीमी गति के वाहनों के लिए होती है तथा तेज गति के वाहनों के लिए दाँयी ओर की लेन होती है।

दिशा सूचक मार्किंग (DIRECTION INDICATOR MARKING)– रोड पर जंक्शन/इंटर सेक्शन में लेन मार्किंग किया गया होता है। दाँयी ओर जाने वाली यातायात के लिए दाँयी लेन, सीधे जाने वाली यातायात के लिए मध्य लेन एवं बाँयी ओर जाने वाली यातायात के लिए बाँयी लेन बनाया जाता है।

उत्तर दो

प्रश्न– 01 मध्य रेखा (CENTER LINE) – क्या महत्व है ?

प्रश्न– 02 मध्य में छोटी खण्डित सफेद रेखाएँ का क्या महत्व है ?

प्रश्न– 03 बाँयी दिशा में जाने के लिए कौन–से लेन का उपयोग करना चाहिए ?

प्रश्न– 04 ओव्हरटेक कब नही करना चाहिए ?

●●●